बिहार सरकार

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग
(पशुपालन)

पशुपालक/कृत्रिम गर्भाधान कर्मी कृपया ध्यान दें।

- पशु जन्य उत्पादों में सबसे महत्वपूर्ण उत्पाद दूध है जिसका उत्पादन मादा पशुओं की संख्या एवं उनकी उत्पादकता पर निर्भर करता है।
- हमारे राज्य के कुल गो जाति में देशी नस्ल की बहुतायत है जिनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता अत्यंत कम है।
- संकर नस्ल मात्र 7.7 प्रतिशत तथा उन्नत नस्लों की भैंसों का प्रतिशत मात्र 5.41 है।
- अपने पशुओं में नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु हमारे पशुपालकों को चाहिए कि वे फोजेन सीमेन के उपयोग द्वारा कृत्रिम गर्भाधान प्रणाली को प्रोत्साहन दें।
- फोजेन सीमेन के उपयोग से ही पशुपालक अपने संकर देशी गायों की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- अपने पशुओं को पर्याप्त संतुलित आहार दें। इसके बिना पशुपालन में वांछित लाभ नहीं पाया जा सकता है।
- अनियंत्रित पशु प्रजनन नीति से देशी नस्लों की संख्या में लगातार ह्रास होता जा रहा है जो अत्यन्त घातक है। इसका पशुपालक अवश्य ध्यान रखें।
- अनियंत्रित गर्भाधान को रोकने हेतु अवांछित नर बछड़ों/सांढ़ों का बधियाकरण कराएं।
- पशुपालकों को यह चाहिए कि स्थानीय वातावरणीय अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए संलग्न सारिणी के अनुसार फोजेन सीमेन का उपयोग अपने पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान हेतु करें।

अपने पशुओं को पर्याप्त संतुलित आहार दें एवं ससमय कृमि नाशक दवा दें। इसके बिना पशुपालन से वांछित लाभ नहीं पाया जा सकता है।

विभिन्न जिलों में वातावरणीय अनुकूलता के अनुरूप कृत्रिम गर्भाधान हेतु नस्ल की विवरणी

क्र0	जिला	संकर नस्ल का अनुशंसित प्रतिशत	अनुशंसित देशी नस्ल	अनुशंसित भैंस नस्ल	अभ्युक्ति
1	अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार	जर्सी (50%)	रेड सिन्धी /गिर/साहिवाल	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग जर्सी 50% जर्मप्लाज्म से अपनाया जाएगा।
2	प0चम्पारण, पू0चम्पारण, गोपालगंज	जर्सी (50%)	बछौर/ हरियाणा/ थरपारकर /गिर/साहिवाल	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग जर्सी 50%।जर्सी जर्म प्लाज्म के साथ अच्छे रख–रखाव की स्थिति में।
3	अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नवादा	जर्सी (50%)	हरियाणा/ थरपारकर /गिर/ साहिवाल	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग को अल्प प्राथमिकता, शुद्ध जर्सी अथवा 50% जर्सी शुक्र से क्रास ब्रीडिंग को प्राथमिकता देनी है।
4	मधुबनी, शिवहर, सीतामढ़ी	जर्सी (50%)	रेड सिन्धी/ गिर/हरियाणा/ साहिवाल	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग को अल्प प्राथमिकता। जर्सी से 50% तक।
5	सुपौल, मधेपुरा, सहरसा	जर्सी (50%)	रेड सिन्धी/ गिर/साहिवाल	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग जर्सी से 50% तक।
6	नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, जमुई, बांका	जर्सी (50%) हॉलस्टिन फ्रिजियन (50%)	साहिवाल/गिर	मुर्रा	संकर प्रजनन जर्सी 50% का सीमेन /जर्सी शुद्ध का सीमेन/ फ्रिजीयन 50% तक।
7	मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, खगड़िया, बक्सर, कैमूर एवं रोहतास	जर्सी (62.5%) फ्रिजियन (50%)	साहिवाल/ हरियाणा/ गिर	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग जर्सी 50%, 62.5%, हॉलस्टिन फ्रीजियन 50%, अल्प प्राथमिकता के साथ।
8	सिवान, सारण, भोजपुर, पटना, समस्तीपुर, बेगुसराय, भागलपुर	जर्सी (75%) फ्रिजियन (62.5%)	साहिवाल/ गिर	मुर्रा	क्रॉस ब्रीडिंग जर्सी (शुद्ध), जर्सी 50–75%, हॉलस्टिन फ्रीजियन (शुद्ध), 62.5% तक, हॉलस्टिन फ्रीजियन 50%।

उन्नत एवं सही सीमेन का उपयोग ही उत्पादकता में वृद्धि एवं नस्ल सुधार में सहायक है।

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार द्वारा जनहित में प्रचारित।